

प्रेषक,

एम०एच०खान
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 22 अगस्त, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में राज्य सैक्टर के अन्तर्गत जनपद चमोली के गोपेश्वर जलोत्सारण (नेगवाड क्षेत्र) पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही धनावटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 900/अप्रैजल-चमोली/ दिनांक 24.03.08 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चमोली के गोपेश्वर जलोत्सारण योजना (नेगवाड क्षेत्र) हेतु उपलब्ध कराये गये प्राक्कलन अनु०लागत रु० 195.14 लाख पर टीएसी वित्त के परीक्षणोपरान्त संस्तुत की गई धनराशि रु० 144.78 लाख (रु० एक करोड़ चौवालिस लाख अठहत्तर हजार मात्र) के प्राक्कलन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में राज्य सैक्टर नगरीय जलोत्सारण कार्यक्रम के अन्तर्गत रु० 25.00 लाख (रु० पच्चीस लाख) अनुदान एवं रु० 25.00 लाख (रु० पच्चीस लाख मात्र) ऋण अर्थात् कुल रु० 50.00 लाख (रु० पचास लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि का शतप्रतिशत उपभोग के पश्चात दूसरी किस्त अवमुक्त की जायेगी।

3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 30.12.2008 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

९

8— आगणन मे उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों का तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है। अथवा बाजार भाव से ली गई है, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता के अनुमोदन कराना आवश्यक होगा तदुपरांत ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

8— कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताये तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

9— कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

10— आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

11— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

12— यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हों, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।

13— स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उ० प्र०शासन के वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश सं०-ए-2-87(1)/दस-97-17(4)/75 दिनांक 27-2-97 के अनुसार सैन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि में सैन्टेज चार्ज के रूप में व्यय की गई धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सैन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। इसका कृपया कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आगणनों में सैन्टेज की व्यवस्था उक्तानुसार ही की जाय।

14— ऋण अंश के रूप में स्वीकृत धनराशि की वापसी एवं ब्याज अदायगी निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी:-

(1) ऋण मद की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ दी जाती है कि पूर्व में स्वीकृत ऋणों की अदायगी यदि अभी तक नहीं की गई हों तो ऐसी समस्त धनराशि का समायोजन किये जाने के बाद ही शेष धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

(2) यह ऋण 15(पन्द्रह) समान किश्तों में व ब्याज सहित प्रतिदेय होगा। इस ऋण का प्रतिदान ऋण आहरण की तिथि से एक वर्ष बाद प्रारम्भ होगा। उक्त ऋण पर अन्तिम रूप से 15 (पन्द्रह) प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा, किन्तु निगम द्वारा समय-समय पर ऋण का प्रतिदान/ब्याज का भुगतान करने की दशा में $3-1/2$ प्रतिशत की छूट दी जायेगी, यदि कालातीत न हों अर्थात् अन्तिम प्रभावी ब्याज की दर $11-1/2$ (साढ़े ग्यारह) प्रतिशत होगी। ऋण/ब्याज का भुगतान प्रतिदान करने के बाद एक बार भी वित्तिथ होने पर ब्याज की दर में कोई छूट नहीं दी जायेगी।

(3) ऋणी/संस्था/समिति/कारपोरेशन/स्थानीय निकाय आदि प्रत्येक दशा में ऋण के आहरण की सूचना महालेखाकार (राजकीय) कार्यालय महालेखाकार (लेखा) प्रथम, उत्तरांचल को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम बाउचर संख्या, तिथि तथा लेखाशीर्षक सूचित करते हुए भेजें।

(4) ऋणी/संस्था/संस्थान जब भी ब्याज जमा करें महालेखाकार कार्यालय को सूचना निम्न प्रारूप पर अवश्य भेजें -

- (1) कोषागार का नाम
- (2) चलान संख्या व दिनांक
- (3) जमा धनराशि।

- (4) लेखा शीर्षक जिसके अन्तर्गत जमा किया गया किश्त ब्याज
 (5) शासनादेश संख्या एवं एस0एल0आर0 का संदर्भ किश्त ब्याज
 (6) पिछले जमा का सन्दर्भ।

(5) ऋणी संस्था आहरण के प्रत्येक वर्षगाठ पर अपने लेखों का निदान महालेखाकार के लेखों से अवश्य करें। भविष्य में शासन द्वारा ऋण तभी स्वीकृत किया जा सकेगा जब यह सुनिश्चित हो जाये कि ऋणी संस्था में इस प्रकार के वार्षिक लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय के लेखों से करा लिया है तथा प्रत्येक अवशेष ऋण की स्थिति यथा समय शासन को अवश्य उपलब्ध करा दें।

15- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में आय-व्ययक के अनुदान सं0-13 के अन्तर्गत "लेखाशीर्षक" 2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत- 101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-01-नगरीयपेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए अनुदान-20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता" के नामे तथा ऋण की धनराशि लेखाशीर्षक- "6215 -जलपूर्ति तथा सफाई के लिए कर्ज-02 मल-जल तथा सफाई- आयोजनागत - 800- अन्य कर्ज- 04- पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए ऋण-00-30-निवेश/ ऋण" के नामे डाला जायेगा।

16- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0-484/XXVII(2)/2008 दिनांक 14 अगस्त, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0एच0खान)

सचिव

पू0सं0.1484/उन्तीस(2)/08-2(159 पे0)/2007तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
7. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 10. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव

